श्री श्याम बाबा आरती

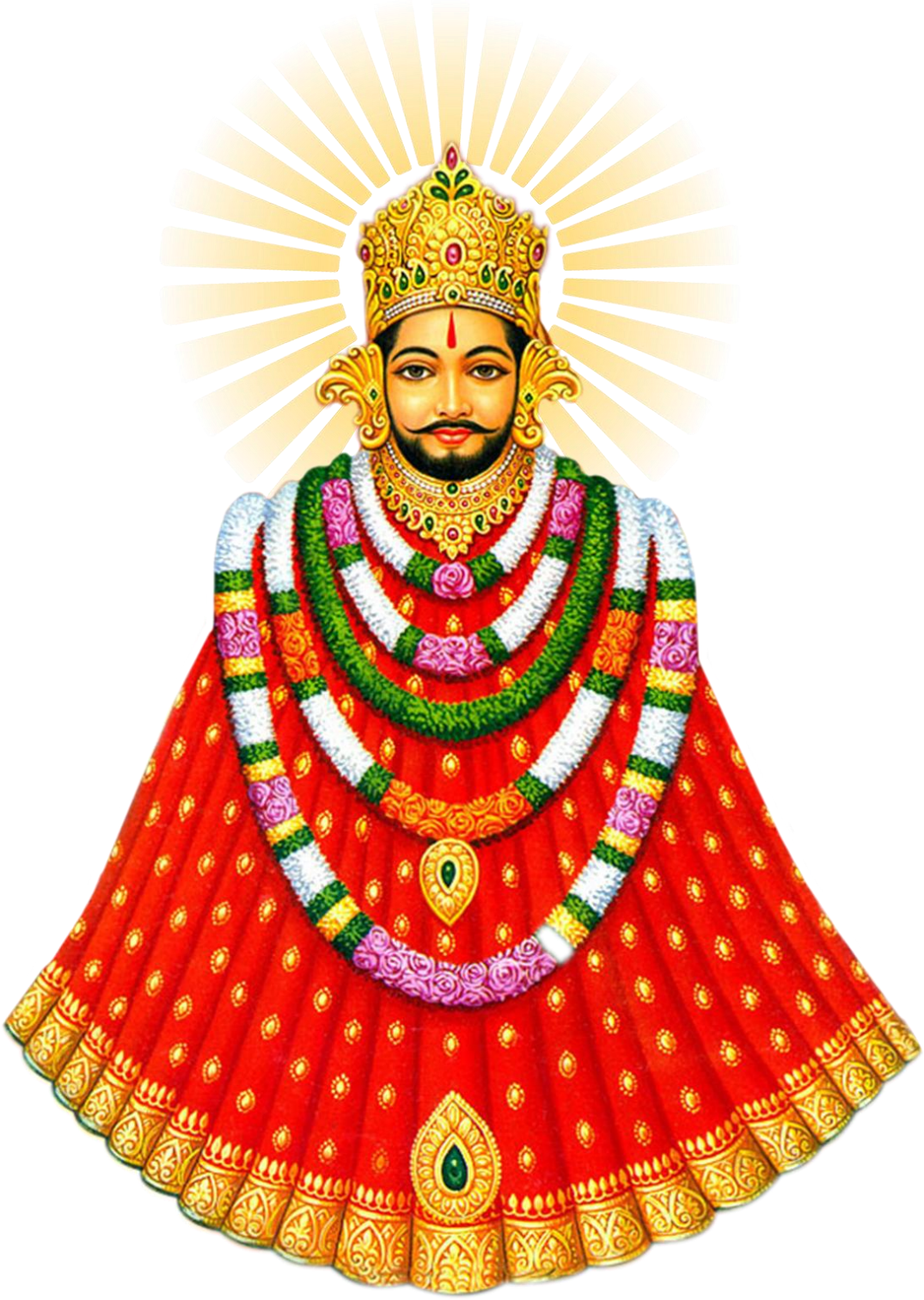

www.anipdf.com

॥ प्रारंभ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे।
तन केसरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

झांझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग धुरे।
भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

www.anipdf.com

जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

'श्री श्याम बिहारीजी' की आरती, जो कोई नर गावे।
कहत 'आलूसिंह' स्वामी, मनवांछित फल पावे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

तन मन धन सब कुछ है तेरा, हो बाबा सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण, क्या लोग मेरा॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

जय श्री श्याम हरे, बाबा जी जय श्री श्याम हरे।
निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे॥
ॐ जय श्री श्याम हरे॥

www.anipdf.com